सरकारी सौगात के दम से बढ़ेगा रॉ शुगर का एक्सपोर्ट !

[एजेंसियां | मुंबई & नई दिल्ली]

भारत से जल्द ही कच्ची चीनी का एक्सपोर्ट बढ़ सकता है। इससे ब्राजील और थाईलैंड जैसे देशों के बाजार में सेंध लगेगी। सरकार ने शुगर मिलों को आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है, जिससे वे गन्ना किसानों का बकाया चुका सकें।

भारत की मिलों पारंपरिक तौर पर वाइट शुगर का प्रॉडक्शन करती हैं, लेकिन इंटरनेशनल मार्केट में इसकी सप्लाई ज्यादा होने के चलते उनके लिए एक्सपोर्ट करना मुश्किल हो गया है। हालांकि एशिया और अफ्रीका में शुगर रिफाइनिंग कैपेसिटी बढ़ने से भारत के लिए अब कच्ची चीनी एक्सपोर्ट करने का मौका बन रहा है।

दुनिया में सबसे ज्यादा चीनी की खपत भारत में होती है। शुगर प्रॉडक्शन के मामले में वह दुनिया में दूसरे नंबर पर है। अगर यहां से कच्ची चीनी का एक्सपोर्ट बढ़ता है, तो इससे इंटरनेशनल मार्केट में कीमत कम हो सकती है। अभी यह साढ़े तीन साल में सबसे कम है। ट्रेड और सरकारी ऑफिशियल्स का कहना है कि सरकार मिलों के लिए टैक्स छूट का भी ऐलान कर सकती है। उनके मुताबिक यह घोषणा इसी हफ्ते की जा सकती है। इस बारे में पुणे बेस्ड ब्रोकरेज फर्म कमल जैन ट्रेडिंग सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर कमल जैन ने बताया कि आर्थिक मदद और टैक्स छूट के चलते भारत की चीनी मिलों कम कीमत पर एक्सपोर्ट कर सकती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार कच्ची चीनी के प्रॉडक्शन के लिए मिलों को आर्थिक मदद दे सकती है। हालांकि अगर भारत सरकार शुगर एक्सपोर्ट के लिए सब्सिडी देती है, तो इस पर वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) की नजर जरूर जाएगी। हालांकि सरकारी अधिकारियों का कहना है कि प्रॉडक्शन बढ़ाने के लिए जो रियायतें दी जाएंगी, उनमें डब्ल्यूटीओ के नियमों का ख्याल रखा जाएगा। राज्य सरकारों के गन्ने की कीमत तय करने के चलते देश में वाइट शुगर की प्रॉडक्शन कॉस्ट बढ़ गई है। इसलिए वे अगर बड़े डिस्काउंट पर एक्सपोर्ट करती हैं, तो उनका लॉस बढ़ सकता है। इस बीच मिलों के पास शुगर की इनवेंटरी बढ़ रही है, क्योंकि देश में गन्ने की पैदावार इस साल अच्छी हुई है। अक्टूबर में इस सीजन के लिए शुगर स्टॉक 88 लाख टन था। 2014 शुगर सीजन में लगातार चौथे साल इसका प्रॉडक्शन बढ़ सकता है, जिससे डोमेस्टिक मार्केट में कीमतों पर दबाव जारी रहेगा।

विदेशी मार्केट में सेंध

- **जल्द ही** कच्ची चीनी का एक्सपोर्ट बढ़ाकर भारत ब्राजील और थाईलैंड जैसे देशों के बाजार में सेंध लगाएगा
- **एशिया और** अफ्रीका में शुगर रिफाइनिंग कैपेसिटी बढ़ने से भारत के लिए कच्ची चीनी के एक्सपोर्ट का मौका बन रहा है
- **दुनिया में** सबसे ज्यादा चीनी की खपत भारत में होती है। शुगर प्रॉडक्शन के मामले में वह दुनिया में दूसरे नंबर पर है

Economic Times
2/1/14